एथेनॉल के मोर्चे पर मिल सकती है अच्छी खबर

अजय मोदी और संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 12 अगस्त

चीनी की कीमतों में हुई हालिया बढ़ोतरी के बाद उद्योग को एथेनॉल के मोर्चे पर अच्छी खबर मिल सकती है। सौमित्र चौधरी समिति की सिफारिशों के मुताबिक एथेनॉल की नई कीमतें तय करने के फॉर्मूले पर कैबिनेट अगले हफ्ते विचार कर सकती है। खाद्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी एथेनॉल मामले पर गौर कर सकती है। समिति ने कहा है कि एथेनॉल की कैलोरिफिक वैल्यू, माइलेज और कर छूट आदि का समायोजन करने के बाद इसकी कीमतों को पिछली तिमाही की पेट्रोल कीमतों से जोड़ा जाना चाहिए। उसने फ्लोर व सीलिंग कीमतें क्रमश: 23 व 31 रुपये प्रति लीटर करने की सिफारिश की है। समिति ने हर तिमाही कीमतों में संशोधन के लिए भी कहा है। इस समय आपूर्ति 27 रुपये प्रति लीटर की अस्थायी कीमतों पर हो रही है, जिसका फैसला मंत्रिसमूह ने साल 2010 में लिया था।

चीनी उद्योग के मुताबिक एथेनॉल कीमत फॉर्मूले पर स्पष्टता के लिए यही सही समय है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने कहा कि अक्टूबर में शुरू होने वाले नए चीनी सीजन में एथेनॉल की आपूर्ति की निविदा इस महीने जारी होने वाली है। अगर एक बार कीमतों पर फैसला ले लिया जाता है तो चीनी उद्योग बड़ी मात्रा में एथेनॉल की पेशकश और इसकी आपूर्ति का वादा भी करेगा। कई मिलें कीमतों में संशोधन नहीं होने से एथेनॉल की पेशकश से पीछे हट रही हैं क्योंकि वैकल्पिक उत्पादों मसलन एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल की बिक्री 34 रुपये प्रति लीटर पर हो रही है।

एथेनॉल के लिए सुझाए गए फॉर्मूले से एक ऐसी कीमत सामने आएगी, जो पेट्रोल की डिपो कीमतों से हमेशा नीचे होगी। अभी पेट्रोल की डिपो कीमतें करीब 41 रुपये प्रति लीटर हैं। एथेनॉल पर उत्पाद शुल्क में 14.78 रुपये प्रति लीटर की छूट से तेल कंपनियों को एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री पर रकम बचाने में मदद मिलती है। तेल कंपनियां फिलहाल पेट्रोल पर 1.37 रुपये प्रति लीटर का नुकसान उठा रही हैं और इन कंपनियों ने 2008-09 से 2010-11 के बीच एथेनॉल के मिश्रण से 300 करोड़ रुपये से ज्यादा बचाए हैं।

पेट्रोल में 5 फीसदी एथेनॉल मिलाने की प्रक्रिया साल 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन साल 2009 में गन्ना उत्पादन में कमी के कारण आपूर्ति घटने व आपूर्ति में डिफॉल्ट के चलते इस पर विराम लग गया। इसे नवंबर 2010 में दोबारा शुरू किया गया और चीनी उद्योग तब से एथेनॉल की बिक्री 27 रुपये प्रति लीटर पर कर रहा है। एथेनॉल को हरित ईंधन माना जाता है और पेट्रोल में इसे मिलाने से कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।